UNIT-IV
CC-14

CHINESE REVOLUTION

चीन की 1911 की क्रांति के फलस्वरूप चीन के अंतिम राजवंश (चिंग राजवंश) की समाप्ति हुई और चीनी गणतंत्र बना। यह एक बहुत बड़ी घटना थी। मंचू लोगों का शासन चीन पर पिछले तीन वर्षों से चला आ रहा था जिसका अंत हो गया। बीसवीं शताब्दी में चीन एशिया का प्रथम देश था जहाँ गणतांत्रिक सरकार की स्थापना हुई।

चीन के क्रांतिकारियों को संगठित करने में डॉ सनयात सेन का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ सनयात सेन चीनी क्रांति के जन्मदाता थे।

क्रांति के कारण :-

1. विदेशी शोषण के विरुद्ध प्रतिक्रिया
2. सुधारों की असफलता
3. नए विचारों की उथल-पुथल
4. आर्थिक अधोगति 5. चीन के मजदूरों का प्रभाव
6. क्रांतिकारी प्रवृत्ति का विकास
7. सनयात सेन के कार्य
8. तात्कालिक कारण: इसी समय जब एक विदेशी कंपनी को एक रेलवे लाइन बनाने का अधिकार दे दिया गया तो क्रांति की लहर चारों ओर फैल गई। अनेक स्थानों पर मंचू शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू हो गया।

12 फरवरी 1912 को एक समझौते के अनुसार चीन से मंचू राजवंश के शासन का अंत कर दिया गया और चीन में गणराज्य की स्थापना कर दी गई।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
S.B. College, Ara
M.A. [SEM-3]; Session: 2021-2023
16.02.2024
Class-1-(one)
Mob: 8809947478
Email. Id:
ukrai.sasaram@gmail.com